

Department of Hindi

BA (Hons.) Hindi

Category-I

हिंदी कविता (आदिकाल एवं निर्गुणभक्ति काव्य)

Core Course - (DSC)-1

कोर कोर्स 1

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता : आदिकाल एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	कोर कोर्स (DSC) 1	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

1. हिंदी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना।
2. आदिकाल के दो प्रमुख कवियों – चंदबरदाई और विद्यापति की विषिष्ट भूमिका रही है। इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3. निर्गुणभक्ति काव्य के अंतर्गत – संतकाव्य एवं प्रेमाख्यानक काव्य के प्रमुख कवियों – कबीर, जायसी आदि का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना।

Course learning outcomes

1. आदिकाल के परिवेश – राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हो सकेंगे।
2. आदिकाल में चंदबरदाई के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
3. भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा।
4. भक्तिकाल के साहित्य में सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विषिष्ट उपलब्धि है।

Unit 1

(15 घंटे)

चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो, सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
(साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद)

बानबेध समय
कवित्त (10–11)

- प्रथम मुक्क दरबार। लज्ज संर सुरतानी।।

.....
किहि थान लोइ संभरि घनी। कहौ सुबत्त लज्जौ न लजि।।

बानबेध समय
दूहा (20–33, 49)

- हम अबुद्धि सुरतान इह। भट्ट भाष सुष काज।।

.....

प्रथम राज पासहु गयौ। जब रुक्कयौ दह हथ्य॥

- चवै चंद बरदाइ इम। सुति मीरन सुनतान॥
दे कमान चौहान कौं। साहि दियै कछु दान॥

बानबेध समय

पद्धरी (50-53)

- संगहें पान कम्मान राज। उम्भरे अंग अंतर विराज॥

निसुरति आनि दिय साहि हथ्य। तरकस्स तीर गोरी गुरथ्य॥

बानबेध समय

कवित्त (54,55,56)

- ग्रहिय तीर गोरिस्स। कीन बिन इच्छ अप्प कर॥

श्रृगांर वीर करुना विभछ। भय अद्भुत इसंत सम॥

Unit 2

विद्यापति – सं. डॉ. शिवप्रसाद सिंह, (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

(15 घंटे)

वंशी माधुरी

- नन्दक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे

वन्दह नन्दकिसोरा॥

रूप वर्णन

- देख-देख राधा-रूप अपार

करु अभिलाख मनहि पद-पंकज अहोनिंसि कोर अगोरि।

पद-14

- चाँद-सार लए मुख घटना करु लोचन चकित चकोरे।

रूप नरायन ई रस जानथि सिबसिंघ मिथिला भूपे।

पद-24

- बदन चाँद तोर नयन चकोर मोर

रूपनरायन जाने॥

Unit 3

कबीर – कबीर – ग्रंथावली, संपादक – डॉ. श्यामसुंदर दास
(नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी)

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 1 से 16 तक
विरह कौ अंग – 1 से 8, 21,22,23,44,45
पद संख्या – 378,400

(15 घंटे)

Unit 4

(15 घंटे)

जायसी – जायसी ग्रंथावली – (सं.) रामचंद्र शुक्ल
मानसरोदक खण्ड

References

- त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
- सूफी कविता की पहचान – यष गुलाटी
- निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)
Core Course - (DSC)-2
कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	कोर कोर्स (DSC) 2	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी
- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
- आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course learning outcomes

- हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विप्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्धति

Unit 1

(15 घंटे)

हिंदी साहित्य : इतिहास-लेखन

- हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल-विभाजन एवं नामकरण

Unit 2

(15 घंटे)

आदिकाल

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

Unit 3

(15 घंटे)

भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

- भक्ति – आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल की धाराएँ :
 1. निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी सूफी शाखा)
 2. सगुण धारा (रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)

Unit 4

(15 घंटे)

रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल)

- युगीन पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक—सांस्कृतिक—आर्थिक परिवेश, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
- काव्य – प्रवृत्तियाँ
 1. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध
 2. रीतिमुक्त काव्य
 3. वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य

References

- हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ : संपा, अनिल राय
- हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स – रसाल सिंह

Additional Resources:

- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध – मुकेश गर्ग
- भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार – संपा, गोपेश्वर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा, डा. नगेन्द्र
- हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा

- 1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
- 4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
- 7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3

10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

असाइनमेंट

इतिहास लेखन से जुड़े शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी कहानी
Core Course - (DSC)-3
कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कहानी	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

हिंदी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी

कहानी विप्लेषण की समझ

कथा साहित्य में कहानी की स्थिति का विप्लेषण

प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार

Course learning outcomes

हिंदी कथा साहित्य का परिचय

कहानी लेखन और प्रभाव का विप्लेषण

प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विप्लेषण की समझ

Unit 1

(15 घंटे)

उसने कहा था – गुलेरी

पंच परमेश्वर – प्रेमचंद

Unit 2

(15 घंटे)

तीसरी कसम – रेणु

चीफ की दावत – भीष्म साहनी

Unit 3

(15 घंटे)

वारिस – मोहन राकेश

वापसी – उषा प्रियंवदा

Unit 4

(15 घंटे)

दोपहर का भोजन – अमरकान्त

घुसपैटिए – ओमप्रकाश वाल्मीकि

References

कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
एक दुनिया समानान्तर – राजेंद्र यादव
हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरष मिश्र
हिंदी कहानी का इतिहास – गोपल राय
नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीषंकर अवस्थी
हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी

Additional Resources:

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ – गुलेरी, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त
कहानी का लोकतन्त्र – पल्लव
पत्रिकाएँ – पहल, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य
ई पत्रिका – हिंदी समय, गद्य कोष

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

- 1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
- 4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
- 7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
- 10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
- 13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कहानी

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

**Common Pool of Generic Elective (Courses) offered by
Department of Hindi
Category-IV**

हिंदी का वैश्विक परिदृश्य

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी का वैश्विक परिदृश्य	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषाकौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन
- विश्व की प्रमुख भाषाओं से विद्यार्थी का परिचय कराना
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी भाषा की स्थिति और स्वरूप से विद्यार्थी का परिचय कराना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण
- विद्यार्थी के लेखन कौशल को बढ़ावा देना

Course learning outcomes

भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा

- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा
- वार्तालाप भाषण संवाद समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा

Unit 1

(15 घंटे)

- विश्व में बोली जाने वाली किन्हीं दो भाषाओं का संक्षिप्त परिचय ;मंदारिन, अंग्रेज़ी, हिन्दी, स्पेनिश, रूसीए जापानी

- वैश्विक स्तर पर हिन्दी का स्थान (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप (मॉरीशस, सूरीनाम, फीजी में हिन्दी)

Unit 2 (15 घंटे)

- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी का प्रयोग
- हिन्दी के विकास में विश्व हिन्दी सम्मलेन की भूमिका
- विश्व हिन्दी दिवस (संक्षिप्त परिचय)

Unit 3 (15 घंटे)

- किसी एक विश्व हिन्दी सम्मलेन की रिपोर्ट.प्रस्तुति
- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी के प्रयोग पर अनुच्छेद लेखन
- विश्व हिन्दी दिवस के मौके पर विज्ञापन के प्रारूप का निर्माण

Unit 4 (15 घंटे)

- विदेशों में हिन्दी भाषा की प्रमुख लोकप्रिय पुस्तकों की सूची बनाना
- विदेशों में हिन्दी की प्रमुख लोकप्रिय फ़िल्में, गीत, संकलन
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी की संभावनाएँ, समूह चर्चा पर रिपोर्ट प्रस्तुति

References

- हिन्दी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक (डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल) लोकभारती प्रकाशन संस्करण 1994
 - हिन्दी भाषा (हरदेव बाहरी) अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
 - प्रयोजनमूलक हिन्दी (सिद्धांत और प्रयोग) दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
 - मानक हिन्दी का स्वरूप (भोलानाथ तिवारी) प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
 - रचनात्मक लेखन (सं रमेश गौतम) भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016
- भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका (विद्यानिवास मिश्र)बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् संस्करण 1978

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1

- 4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
 7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
 10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
 13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषित शब्दावली

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

हिंदी सिनेमा जगत की जानकारी

सिनेमा के निर्माण, प्रसारण और उपभोग से संबंधित आलोचनात्मक चिंतन की समझ

Course learning outcomes

हिंदी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ

सिनेमा निर्माण, प्रसारण कैमरे की भूमिका आदि की व्यावहारिक समझ

Unit 1

(15 घंटे)

सिनेमा : सामान्य परिचय

1. जनमाध्यम के रूप में सिनेमा,
2. सिनेमा की इतिहास यात्रा
3. सिनेमा के प्रकार – व्यावसायिक सिनेमा, समानान्तर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा।

Unit 2

(15 घंटे)

सिनेमा अध्ययन

1. सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ
2. हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय बाज़ार
3. हिंदी सिनेमा का अंतरराष्ट्रीय बाज़ार

Unit 3

(15 घंटे)

सिनेमा अंतर्वस्तु और तकनीक

1. पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य
2. कैमरा, लाइट, साउंड
3. सिनेमा और सेंसरबोर्ड

Unit 4

(15 घंटे)

सिनेमा अध्ययन की दिशाएँ

1. सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू
2. हिंदी की महत्वपूर्ण फिल्मों की समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान (अछूत कन्या, मदर इंडिया, काबुलीवाला, शोले, सद्गति, अमर अकबर एंथनी, पीकू, मधुमती)
3. सिनेमा के दृष्य, तकनीक, कहानी, स्पेशल इफेक्ट, आइटम गीत, गीत, संगीत आदि की समीक्षा

References

1. फिल्म निर्देशन – कुलदीप सिन्हा
2. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा
3. नया सिनेमा – ब्रजेश्वर मदान
4. भारतीय सिने सिद्धांत – अनुपम ओझा
5. सिनेमा : कल, आज, कल – विनोद भारद्वाज
6. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रकाशन विभाग
7. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, जवरीमल पारख

Additional Resources:

विश्व सिनेमा में स्त्री विजय शर्मा

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विप्लेषण

- 1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
- 4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
- 7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
- 10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
- 13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

अनुवाद की समझ विकसित करना
व्यावहारिक और क्षेत्र विशेष में अनुवाद गतिविधियों का परिचय देना

Course learning outcomes

अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी
क्षेत्र विशेष की माँग से परिचित होंगे

Unit 1

(15 घंटे)

भारत का भाषायी परिदृश्य और अनुवाद का महत्व
अनुवाद का स्वरूप
अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2

(15 घंटे)

प्रयुक्ति की आधारणा
अनुवाद और विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3

(15 घंटे)

अनुवाद व्यवहार –1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
सर्जनात्मक साहित्य
ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य

Unit 4

(15 घंटे)

अनुवाद व्यवहार 2 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
जनसंचार
प्रशासनिक अनुवाद और बैंकिंग अनुवाद

References

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. नगेंद्र
अनुवाद के सिद्धांत – रामालु रेड्डी
अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर) – हेमचन्द्र पाण्डेय
कार्यालय प्रदीपिका – हरि बाबू कंसल

Additional Resources:

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद – सुरेश सिंहल
काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – नवीन चंद्र सहगल
कोष विशेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली – सं विमलेश कांति वर्मा
अनुवाद और तत्काल भाषांतरण – विमलेश कांति वर्मा
The theory and practice of Translation – Nida E.
Language, Structure & Translation – Nida E.
Routledge Encyclopedia of Translation – Baker, Mona
Translation Evaluation – House, Juliance
Machine Translation: Its Scope and Limits – Wilks, Vorick
Translation and Interpreting – Baker H.
Revising and Editing for Translators – Mossop B.
Introducing Translation Studies: Theories and applications – Munday J.
The Routledge Companion to Translation Studies – Munday J.
Comprehensive English – Hindi Dictionary – Raghbir
Oxford Hindi – English Dictionary – R.S. Mc Gregor
English- Hindi Dictionary – Hardeo Bahari

Teaching learning process

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

BA (Prog.) Hindi

DSC-I

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा।

साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

इतिहास के प्रति आलोचनात्मक-विश्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

इकाई-1

(क) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1. हिंदी भाषा का उद्भव
2. हिंदी भाषा की बोलियाँ
3. हिंदी भाषा का विकास : आदिकालीन हिंदी, मध्यकालीन हिंदी, आधुनिक हिंदी

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1. आदिकाल : काल-विभाजन एवं नामकरण
2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

इकाई-2

हिंदी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल

1. भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास
2. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

इकाई-3

हिंदी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1. रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा
2. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

इकाई-4

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)
2. आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)
3. गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र
5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्णुनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई-1

4 से 6 सप्ताह : इकाई-2

7 से 9 सप्ताह : इकाई-3

10 से 12 सप्ताह : इकाई-4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

इतिहास, भाषा और आलोचना से जुड़ी शब्दावली

Discipline Specific Core-2

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Course Objective (2-3)

सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित करना

हिंदी सिनेमा के विकास अध्ययन

कुछ प्रमुख फिल्मों के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना

Course Learning Outcomes

सिनेमा की व्यावहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत में आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे।

इकाई-1

कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी

इकाई-2

हिंदी सिनेमा : उद्भव और विकास

इकाई-3

सिनेमा में कैमरे की भूमिका

इकाई-4

नयी तकनीक और सिनेमा : संभावनाएं और चुनौतियां
(संदर्भ : मुगलेआजम, मदर इंडिया, पीके)

References

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्ढा
2. सिनेमा, नया सिनेमा : ब्रजेश्वर मदान
3. सिनेमा : कल, आज और कल : विनोद भारद्वाज
4. हिंदी का मौखिक परिदृश्य : करुणा षंकर उपाध्याय
5. हिंदी का मौखिक परिदृश्य : कौषल कुमार गोस्वामी

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो क्लिप का अध्ययन और उसे बनाना, कैमरे का कक्षा के बाहर अध्ययन

1 से 3 सप्ताह : इकाई-1

4 से 6 सप्ताह : इकाई-2

7 से 9 सप्ताह : इकाई-3

10 से 12 सप्ताह : इकाई-4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सिनेमाई शब्दावली

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE)

OFFERED BY DEPARTMENT OF HINDI

‘हिंदी-क’ (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता-संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई-1

(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास

(ख) राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क-भाषा के रूप में हिंदी

इकाई-2

हिंदी साहित्य का इतिहास

(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई-3

(क) संत-काव्य (संग्रह) : परषुराम चतुर्वेदी; किताब महल, इलाहाबाद; 1952

संत रैदासजी

पद : 1, 4, और 19

(ख) भूषण – भूषण ग्रंथावली, सं. आचार्य विष्णुनाथ प्रसादमिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1998;

कवित्त संख्या 409, 411, 412

(ग) बिहारी – बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथदास रत्नाकर बी.ए., प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, सं. 2006, दोहा 1, 10, 13, 32

इकाई-4

- आधुनिक हिंदी कविता
- माखनलाल चतुर्वेदी : बेटी की विदाई
- जयषंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग शृंग से
- नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है

References

9. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
10. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
11. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
12. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
13. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो आदि

- 1 से 3 सप्ताह : इकाई-1
- 4 से 6 सप्ताह : इकाई-2
- 7 से 9 सप्ताह : इकाई-3
- 10 से 12 सप्ताह : इकाई-4
- 13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

‘हिंदी-‘ख’ (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई-1

हिंदी भाषा और साहित्य

हिंदी भाषा का उद्भव और विकास

हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई-2

भक्तिकालीन कविता :

(क) कबीर – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 24, 25, 26, 27, 28, 33, 34

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' गीताप्रेस, गोरखपुर से 'केवटप्रसंग'

इकाई-3

– मैथिलीषरण गुप्त : नर हो न निराष करो

– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – तोड़ती पत्थर

– केदारनाथ अग्रवाल : धूप

इकाई-4

आधुनिक कविता

– सुभद्रा कुमार चौहान : बालिका का परिचय

– निराला : तोड़ती पत्थर

References

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. आ. विष्णुनाथ प्रसाद मिश्र : भूषण ग्रंथावली
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई-1

4 से 6 सप्ताह : इकाई-2

7 से 9 सप्ताह : इकाई-3

10 से 12 सप्ताह : इकाई-4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

‘हिंदी-‘ग’ (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई-1

हिंदी भाषा और साहित्य

(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास

(ख) हिंदी का भौगोलिक विस्तार

(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल, मध्यकाल) : सामान्य विशेषताएँ

(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विशेषताएँ

इकाई-2

भक्तिकालीन हिंदी कविता :

कबीर : कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण,
सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 19, 20, 21, 22, 23

सूरदास :

- मैया मैं नहिं माखन खायौ
- उधोमन न भए दस—बीस

इकाई—3

रीतिकालीन हिंदी कविता

(क) बिहारी :

- मेरी भव बाधा हरौ
- कनक कनक ते सौंगुनी
- कहत नटत रीझत खिजत

(ख) घनानंद :

- अति सूधो सनेह को मारग
- रावरे रूप की रीति अनूप

इकाई—4

आधुनिक हिंदी कविता

- सुमित्रा नंदन पंत : आह! धरती कितना देती है
- सर्वेष्पर दयाल सक्सेना : लीक पर वे चलें

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसीकाव्य – मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी
4. बिहारी की वाग्बिभूति : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी साहित्य और हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है। कालक्रम के विद्यार्थी युग बोध कोटी से जान सकेंगे। छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। हिंदी भाषा आज तेजी से वैश्वीकृत हो रही है। ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतः शिक्षण में हिंदी कविता छात्रों

के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है :

1 से 3 सप्ताह : इकाई-1

4 से 6 सप्ताह : इकाई-2

7 से 9 सप्ताह : इकाई-3

10 से 12 सप्ताह : इकाई-4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Pool of Generic Elective Courses

Offered by Department of Hindi

बी.कॉम. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

CATEGORY-IV

'हिंदी-क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी में रुचि विकसित करना

हिंदी साहित्य एवं प्रमुख साहित्यकारों का परिचय

हिंदी भाषा को समझना और उसके आधुनिक प्रयोग को जानना

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा और साहित्य का परिचय

प्रमुख साहित्यकारों का अध्ययन

इकाई-1

हिंदी भाषा

(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास

(ख) हिंदी की उपभाषाएँ

इकाई-2

हिंदी साहित्य का इतिहास

(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई-3

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 17वाँ संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17

(ख) मीराबाई की पदावली, संपा. आ. परशुराम चतुर्वेदी; हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग; 14वाँ संस्करण, 1892. सन् 1970 ई.; पद 1, 4, 5, 6

(ग) बिहारी : बिहारी रत्नाकर; संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए.; प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली; सं. 2006; दोहा 381, 435, 438, 439, 491

इकाई-4

आधुनिक हिंदी कविता

– मैथिलीषरण गुप्त : भारत भारती (हमारे पूर्वज अंश)

– जयषंकर प्रसाद : हिंमाद्रि तुंग शृंग से

– नागार्जुन : अकाल और उसके बाद

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र

5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्णुनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. मीरा का काव्य : विष्णुनाथ त्रिपाठी
10. प्रसाद का काव्य : प्रेमषंकर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई-1

4 से 6 सप्ताह : इकाई-2

7 से 9 सप्ताह : इकाई-3

10 से 12 सप्ताह : इकाई-4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

‘हिंदी-ख’ (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास की समझ विकसित होगी।

प्रमुख कविताओं की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा के विकास और साहित्य के इतिहास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

इकाई-1

हिंदी का उद्भव और विकास

हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई-2

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 17वां संस्करण; सं. 2049 वि.

- पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ.....
- कस्तूरी कुंडलि बसै
- यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान
- सात समुन्दर की मसि करुँ
- साधू ऐसा चाहिए
- सतगुरु हमसुँ रीझकर

(ख) तुलसी : रामचरितमानस – केवट प्रसंग

इकाई-3

(क) बिहारी

- बतरस लालच लाल की
- या अनुरागी चित्त की

(ख) भूषण

– इंद्र जिमि जंभ पर

– साजि चतरंग सैन

इकाई-4

आधुनिक कविता

– जयषंकर प्रसाद : अरुण यह मधुमय देश हमारा

– हरिवंश राय 'बच्चन' : अग्निपथ

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. तुलसी काव्य-मीमांसा : उदयभानु सिंह
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्णुनाथ प्रसाद त्रिपाठी
5. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
6. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्णुनाथ त्रिपाठी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई-1

4 से 6 सप्ताह : इकाई-2

7 से 9 सप्ताह : इकाई-3

10 से 12 सप्ताह : इकाई-4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

‘हिंदी-ग’ (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता-संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई-1

हिंदी भाषा और साहित्य

हिंदी भाषा का सामान्य परिचय

हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल की सामान्य विशेषताएँ

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल की सामान्य विशेषताएँ

इकाई-2

भक्तिकालीन कविता

कबीर

- गुरु गोविन्द दोउ खड़े
- निन्दक नियरे राखिए
- कबीर संगति साधु की
- माला फेरत जुग भया
- पाहन पूजै हरि मिले
- वृच्छ कबहूँ न फल भखें

सूरदास

- मैया मैं नहिं माखन खायो
- उधो मन न भए दस-बीस

इकाई-3

बिहारी

- मेरी भव बाधा हरौं
- कनक कनक ते सौं गुनी
- थोड़े ही गुन रीझते
- कहत नटत रीझत खिझत

घनानंद

- अति सूधो सनेह को मारग
- रावरे रूप की रीति अनूप

इकाई-4

- माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा
- धूमिल : रोटी और संसद

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथदास रत्नाकर
4. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
5. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
7. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य : डॉ. हुकुमचंद राजपाल
8. समकालीन साहित्य : एक दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई-1

4 से 6 सप्ताह : इकाई-2

7 से 9 सप्ताह : इकाई-3

10 से 12 सप्ताह : इकाई-4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

विकास देप्ता
REGISTRAR